an>

Title: Regarding protection of camel progeny in Rajasthan .

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) : माननीय अध्यक्ष जी, रेगिस्तान जहाज जिसे शिप आफ डेजर्ट कहते हैं, मैं उसके बारे में जिक्र करना चाहता हूं। ऊंट सिर्फ आवागमन और वाणिज्य के लिए बहुत जगह काम आता है। यह राजस्थान में ही बल्कि पूरे हिंदुस्तान में काम आता है लेकिन आजकल इसकी दशा ठीक नहीं है। इनमें बहुत बीमारियां हो रही हैं और वध भी हो रहा है। मैं राजस्थान की मुख्यमंत्री महोदया को धन्यवाद देता हूं कि 2015 में विधान सभा में एक्ट लाई हैं कि अगर इनका वध किया जाएगा तो गंभीर दंडनीय अपराध होगा। ऊंटों की आबादी 1951 में करीब 3.25 लाख थी। हर साल सेंसस होता था, 1977 में इनकी आबादी करीब आठ लाख थी। 1983, 1988, 1997 में सेंसस हुआ था। 2012 में इनकी आबादी आठ लाख से 3.20 लाख हो गई है, घटती जा रही है। इनका बचाव बहुत जरूरी है। मेरा इतना ही कहना है कि इनकी घटती आबादी को देखते हुए भारत सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकार को निदेश जारी किया जाना चाहिए। ऊंटों की संख्या को देखते हुए इनके बचाव के लिए राजस्थान सरकार ने कदम उठाए हैं, इसी तरह भारत सरकार को भी कदम उठाने चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले समय में इनकी स्थिति और खराब हो जाएगी।

मैं आपके द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी और सरकार से कहना चाहता हूं कि इस बारे में विचार करके उचित कदम उठाएं।